

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

**सामान्य निर्देश :-**

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटीसी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती - जो परीक्षार्थियों के भविष्य , है, शिक्षा प्रणाली और अध्यापनव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती - है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयताकिए गए , इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक | मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता , किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और , इस नीति दस्तावेज को किसी से भी साझा करना | है के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता IPC वेबसाइट आदि में छापना/समाचार पत्र है।
3. मूल्यांकन अंकयोजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए-, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकयोजना का अनुपालन - पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालांकि मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकनयोजना में दिए गए निर्देशों के - अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न -। मूल्यांकन(\*) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (√) कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायें ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायें ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायें ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्नप्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें उन्हीं पर अंक दें। ,

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।-
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0- 40(उदाहरण 0-अंक जैसा 40 कि प्रश्न में दिया गया है ( ) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्यघंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य 8 अवधि में अर्थात्- 30 प्रतिदिन मुख्य विषयों की । करना है उत्तरउत्तर पुस्तिकाएँ 35 पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की-विस्तृत विवरण) जाँचनी हैं।'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है(
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करेंजो पिछले वर्षों में की जाती , । रही हैं
  - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
  - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
  - उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
  - उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
  - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
  - योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
  - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
  - कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
  - उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) या (√) किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि ,लगाना (✓)×( का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो(
  - उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।
13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर )x ( ) निशान लगाएँ और शून्य0अंक दें। (
14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना , मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ हैआवरण पृष्ठ पर तथा योग । में कोई अशुद्धि नहींरह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर : निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

**सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा**  
**मार्च -2022**

**अंक योजना : हिंदी - आधार (302), प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3**  
**कक्षा : XII**

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
1.	1.	1.	1.	<b>खंड क</b> <b>(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)</b>  <u>किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख</u> भूमिका विषयवस्तु भाषा	1 3 1
					5
2.	2.	2.	2.	<u>पत्र लेखन</u> आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ विषयवस्तु भाषा	1 3 1
					5
3.	3. i (a)	4. i (a)	3. i (a)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कहानी कही जाती है या पढ़ी जाती है।</li> <li>• नाटक में पात्रों द्वारा अभिनय किया जाता है साजसज्जा-, मंच सज्जा , संगीत और प्रकाश की व्यवस्था होती है।</li> <li>• कहानी और नाटक दोनों में ही कथानक होता है।</li> <li>• कहानी श्रव्य प्रधान है जबकि नाटक दृश्य- श्रव्य प्रधान है।</li> </ul>	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>कहानी का प्रभाव सुन कर या पढ़ कर होता है , जबकि नाटक का प्रभाव मंचित होने पर होता है। <b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></li> </ul>	3
	ii (a)	ii (a)	ii (a)	<ul style="list-style-type: none"> <li>कहानी के पात्रों का नाट्य रूपांतरण करते समय मुख्य घटनाओं को चुन कर स्थिति और परिवेश के अनुरूप वेशभूषा में प्रस्तुत करके।</li> <li>कथानक के अनुरूप पात्रों की भावभंगिमाओं को प्रस्तुत - करके।</li> <li>पात्रों के मानसिक द्वंद्व को स्वगत कथन या 'वायस ओवर' के माध्यम से प्रस्तुत करके।</li> <li>कथावस्तु के अनुसार संवाद योजना करके।</li> <li>ध्वनि और प्रकाश की व्यवस्था के माध्यम से। <b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></li> </ul>	
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>रेडियो नाटक में श्रव्य माध्यम से ही प्रस्तुति</li> <li>ध्वनि के माध्यम से एकरेखीय प्रस्तुति</li> <li>इसमें छोटी अवधि के कथानक</li> <li>पात्रों की संख्या सीमित</li> <li>इसमें दृश्य वर्णनात्मक</li> <li>इसका मंचन नहीं</li> <li>सबकुछ ध्वनि प्रभाव और संवादों के माध्यम से ही कथ्य की प्रस्तुति <b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></li> </ul>	
				<ul style="list-style-type: none"> <li>रेडियो नाटक श्रव्य माध्यम</li> <li>रेडियो नाटक में सिनेमा एवं रंग मंच की भांति मंच सज्जा नहीं</li> <li>रेडियो नाटक में वेश भूषा नहीं</li> <li>रेडियो नाटक में अभिनय और भाव भंगिमा नहीं <b>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</b></li> </ul>	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
4.	4. i (a)	3. i (a)	4. i (a)	उल्टा पिरामिड शैली <u>विशेषताएँ-</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>सबसे महत्वपूर्ण जानकारी को पहले लिखा जाता है</li> <li>शेष इसी क्रम में लिखते हैं</li> <li>अंत में क्या, क्यों, कैसे कहाँ का विस्तार किया जाता है</li> <li>यह किसी समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</b></p>	1 + 2
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>विशेष लेखन किसी विषय पर सामान्य से हटकर गहराई के साथ किया जाने वाला लेखन है</li> <li>संवाददाता को विशेष विषय के विषय में गहन जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है</li> <li>भाषा सटीक , स्पष्ट और तथ्यों पर खरी होनी चाहिए।</li> <li>साधारण बोल चाल की भाषा, क्लिष्टता नहीं</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></p>	3
	ii (a)	ii (a)	ii (a)	<ul style="list-style-type: none"> <li>संबंधित विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।</li> <li>रिपोर्टिंग से संबंधित भाषा और शैली पर पूरा अधिकार होना चाहिए।</li> <li>किसी भी स्रोत या सूत्र पर आँख मूँदकर भरोसा नहीं करना चाहिए बल्कि जानकारी की गहनता के साथ पुष्टि करनी चाहिए।</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</b></p>	2
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>किसी विशेष विषय पर लेखन</li> <li>पूर्व परंपरा से हट कर अलग नवीन लेखन</li> <li>जानकारी के नए स्रोतों का उपयोग</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</b></p>	2

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
5.				<p style="text-align: center;"><b>खण्ड-ख</b>  <b>( पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक )</b>  <b>(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)</b></p>	
	5. (i)	—	—	<p>मिश्रित रंग , शीतलता, पवित्रता, एवं आर्द्रता के आधार पर  <b>(छात्रों द्वारा दिए गए अन्य तर्क संगत उत्तर भी स्वीकार्य)</b></p>	3
	(ii)	—	—	<p>जैसे पंख के बिना पक्षी और सूँड़ के बिना हाथी असहाय और पीड़ित हो जाते हैं ठीक उसी प्रकार की स्थिति लक्ष्मण को शक्ति लगने के कारण राम की हो रही है। वे साधारण पुरुष की भांति भाव विह्वल है और असहनीय कष्ट वहन कर रहे हैं</p>	3
	(iii)	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>• बालकोचित हठी स्वभाव</li> <li>• बालक का अबोधपन</li> <li>• आग्रही एवं बात-बात पर मचलना</li> </ul>	3
	—	5. (i)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>• राख से लीपे चौके से जो गीला है</li> <li>• काली सिल पर केसर से</li> <li>• काली सलेट पर चौक, खड़िया से लिखे जाने से</li> </ul>	3
	—	(ii)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मूर्छित लक्ष्मण को देख कर राम का विलाप करना</li> <li>• भाई की तुलना में सीता को भी कम आँकना</li> <li>• अत्यधिक भाव विह्वल होना</li> <li>• लक्ष्मण को परम स्नेही एवं विश्वास पात्र मानना</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></p>	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	—	(iii)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>• दिवाली पर खिलौने लाना</li> <li>• घरों में दीपक जलाना</li> <li>• रक्षाबंधन पर वर्षा के रिमझिम मौसम में पैरों में पायल पहने हुए ठुमकती बहन की प्रसन्नता का मनोहारी वर्णन</li> </ul>	3
	—	—	5. (i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• उषा कविता में भोर के नभ की <b>पवित्रता</b> को राख से लीपा हुआ चौका द्वारा</li> <li>• <b>निर्मलता</b> को नीले जल में किसी की गौर झिलमिल देह द्वारा</li> <li>• <b>उज्ज्वलता</b> को 'काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धूल गई हो' या 'स्लेट पर लाल खड़िया चाक मल दी हो'</li> </ul>	3
	—	—	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसानों के पास खेती नहीं है</li> <li>• भिखारी को भिक्षा नहीं मिलती , ब्राह्मण को दान दक्षिणा नहीं मिलती</li> <li>• व्यापारियों का व्यापार ठप है</li> <li>• रोजगार चाहने वालों को नौकरी नहीं मिलती</li> <li>• प्रत्येक वर्ग गरीबी , बेरोजगारी , भुखमरी से त्रस्त हैं</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></p>	3
	—	—	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• बगीचों में खेलने वाली कलियों की सुंदरता का गतिशील चित्रण किया गया है ।</li> <li>• रात्रि के निःशब्द और सुनसान वातावरण में तारों का, सन्नाटे का मानवीकरण किया है।</li> <li>• बगीचे इस तरह अपनी कलियों की पंखुड़ियों को खोलते हुए दिखाई दे रहे हैं मानो कोई पक्षी हवा में उड़ने के लिए अपने पंख फैला रहा है। उनकी खुशबू उनका रंग चारों तरफ बिखरा-सा दिखाई देता है।</li> <li>• भोर के नभ की सुंदरता का वर्णन किया है ।</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></p>	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
6.	6. (i)	—	—	<b>खण्ड-ख</b> <b>( पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक )</b> <b>(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>सामाजिक जीवन में लोक-कलाओं की महत्ता का संदेश</li> <li>ढोलक की थाप द्वारा ग्रामीणों में धैर्य , साहस एवं स्फूर्ति का संचार</li> <li>लोक कलाओं को प्रासंगिक बनाये रखने का संदेश</li> </ul>	3
	(ii)	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोगों ने भारत और पाकिस्तान के विभाजन को मन से नहीं स्वीकारा है ।</li> <li>जन सामान्य अपने जन्म स्थान अर्थात मूल में आस्था रखता है ।</li> <li>परस्पर एक दूसरे का सम्मान करना एक अपने-पन का भाव है ।</li> <li>कस्टम अधिकारी व सफिया और सिख-बीबी के भावनात्मक लगाव इसके उदहारण है।</li> </ul>	3
	(iii)	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>डॉ0 आंबेडकर के आदर्श समाज की नींव समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर टिकी है।</li> <li>समाज के सभी मनुष्यों को अपनी क्षमता विकसित करने के लिए रूचि अनुसार व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता होना</li> <li>गतिशीलता एवं परिवर्तनशीलता</li> </ul>	3
	(iv)	6. (iv)	6. (iv)	<ul style="list-style-type: none"> <li>उद्योग-धंधों की जटिल प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास होने से</li> <li>अकस्मात परिवर्तनों के कारण भी व्यवसायी को पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ती है।</li> <li>व्यवसायी को होने वाले व्यवसायिक घाटे के कारण भूखों मरने की नौबत आ जाती है।</li> </ul>	3



प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	—	(i)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने से बेरोजगारी बढ़ना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</li> </ul>	3
	—	(ii)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>नए राजा द्वारा कुश्ती की जगह क्रिकेट को वरीयता देना</li> <li>भारत पर पश्चिमी सोच का प्रभावी होना</li> <li>लोककला और उसके कलाकारों का अप्रासंगिक हो जाना जिससे पहलवान लुट्टन सिंह के परिवार की दुर्दशा</li> </ul>	
	—	(iii)	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>सफ़िया भावना प्रधान है , उसकी सोच ईमानदार है।</li> <li>भाई कर्तव्य प्रधान एवं कानून मानने वाला है।</li> <li>क्योंकि सफ़िया को भावनाएँ नियंत्रित करती है , भाई को बुद्धि और कानून। यहाँ उनकी निजी सोच परिवेश व प्रभाव का परिणाम है।</li> </ul>	
	—	—	(i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>सभ्य समाज के लिए जाति प्रथा और श्रम विभाजन अधिक हानि कारक है</li> <li>यह मनुष्य की रूचि एवं आत्मशक्ति को दबा कर निष्क्रिय एवं उदासीन बना देते हैं</li> <li>थोपे गए पेशे में सामान्यतया अरुचि होती है</li> </ul>	
	—	—	(i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>कहानी के अनुसार प्राचीन लोककलाएँ और कलाकार - किसी भी देश की सांस्कृतिक धरोहर होते हैं।</li> <li>विश्व-स्तर पर देश की पहचान होते हैं।</li> <li>लोक-कलाएँ हमें हमारे स्वर्णिम अतीत से जोड़ती हैं।</li> <li>राज्य और केंद्रीय दोनों ही स्तरों पर सहायता की आवश्यकता है।</li> <li>नवयुवकों को अच्छे प्रशिक्षकों के द्वारा उचित प्रशिक्षण, सम्मान एवं पुरस्कार दिया जाना चाहिए।</li> <li>निजी संस्थाओं द्वारा भी इन कलाकारों को प्रोत्साहन देना चाहिए</li> </ul>	3
				(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
7.	—	—	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>दोनों ही देशों के लोगों के हृदय में आज भी पारस्परिक भाईचारा, सौहार्द्र, स्नेह और सहानुभूति विद्यमान है।</li> <li>सामाजिक तौर पर आज भी जनता के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है।</li> <li>अमृतसर में रहने वाली सिख बीबी लाहौर को अपना वतन कहती है और लाहौरी नमक का स्वाद नहीं भूली, पाकिस्तान में रहने वाले कस्टम अधिकारी 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों' को अपना सलाम भिजवाता है। भारतीय सीमा पर तैनात कस्टम अधिकारी ढाका की जमीन को नहीं भुला पाता।</li> </ul>	3
	—	—	(iii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>जाति आधारित श्रमविभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर - निर्भर नहीं रहता।</li> <li>मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्त्व नहीं रहता।</li> <li>व्यक्ति को जन्म के आधार पर मिला पेशा ही अपनाना पड़ता है।</li> <li>जबरदस्ती थोपे गए पेशे में उनकी अरुचि हो जाती है, इस कारण आर्थिक हानि होती है।</li> </ul> <p><b>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</b></p>	3
	7. (i)	7. (i)	7. (i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>समाज में साधन सम्पन्नता</li> <li>राजसत्ता और धर्म सत्ता का दबाव नहीं</li> <li>वास्तुकला पर आधारित व्यवस्थित नगर योजना एवं उपयुक्त जल व्यवस्था , जल निकासी प्रबंध , सड़के आदि सुनियोजित होना</li> <li>सुदृढ़ सामाजिक व्यवस्था</li> <li>कृत्रिमता और आडंबर नहीं</li> </ul>	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	अथवा i (b)	अथवा i (b)	अथवा i (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भय , आतंक , भूख-प्यास, आहत, मानवीय संवेदनाएं, हवाई हमले का डर, पकड़े जाने का भय, किशोरावस्था के सपने, अकेलेपन की पीड़ा आदि।</li> </ul>	3
	(ii) a	(ii) a	(ii) a	<ul style="list-style-type: none"> <li>• बड़े घरों में छोटे कमरे संभवतः नौकर-चाकरों के</li> <li>• इन कमरों में बड़े कमरों जैसी सुख सुविधाएँ नहीं</li> </ul>	2
	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	अथवा ii (b)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• डायरी में ऐन फ्रैंक के निजी सुख-दुख , भावनात्मक उथल-पुथल , हिटलर द्वारा यहूदियों पर अत्याचार के समाचारों का कोमल मन पर प्रभाव, नर संहार का भय</li> <li>• अपनी सामाजिक परिस्थितियों और उनके प्रभावों का उल्लेख</li> <li>• युद्ध की विभीषिकाओं का वर्णन करते-करते ऐन फ्रैंक की भावुकता प्रकट, विविध प्रसंगों में निजी सुख-दुख का वर्णन</li> <li>• परिवार के सदस्यों द्वारा उसकी भावनाओं को नहीं समझ पाना</li> </ul>	2